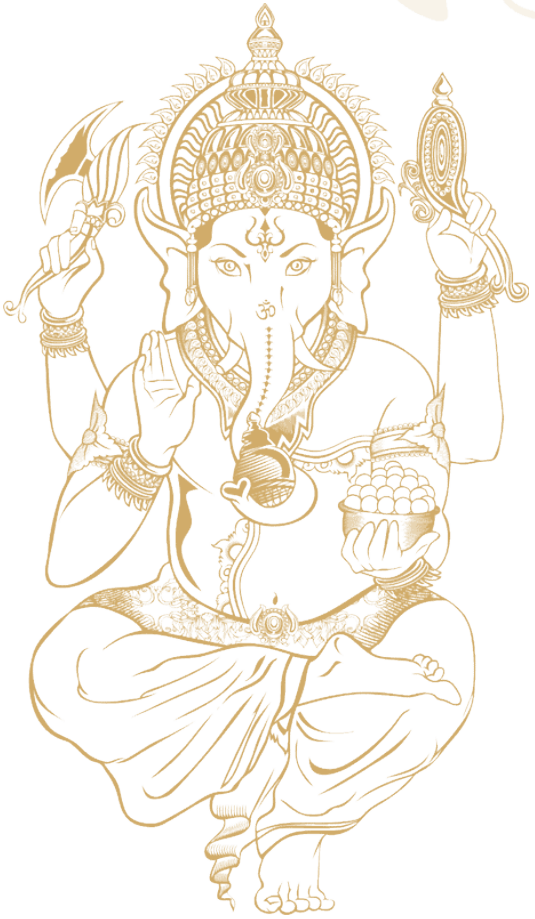

Kartar Singh

29 Apr 1987

07:12 PM

Hamirpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121834502

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**29/04/1987**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**19:12:00 घंटे**
इष्ट	33:46:58 घटी
स्थान	**Hamirpur**
राज्य	Himachal Pradesh
देश	India

अक्षांश	31:38:00 उत्तर
रेखांश	76:36:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:23:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:48:24 घंटे
वेलान्तर	00:02:34 घंटे
साम्पातिक काल	09:16:20 घंटे
सूर्योदय	05:41:12 घंटे
सूर्यास्त	19:01:25 घंटे
दिनमान	13:20:12 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	15:02:18 मेष
लग्न के अंश	18:05:35 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**कृतिका - 2**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	सौभाग्य
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	मेष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	इ-ईश्वर
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	18:05:35	302:23:59	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	सूर्य	---
सूर्य			मेष	15:02:18	00:58:19	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	उच्च राशि
चंद्र			वृष	02:40:16	12:31:04	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	उच्च राशि
मंगल			वृष	22:11:53	00:39:35	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	सम राशि
बुध		अ	मेष	06:09:27	02:00:42	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	सम राशि
गुरु			मीन	20:08:03	00:13:49	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	स्वराशि
शुक्र			मीन	14:38:44	01:12:27	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	उच्च राशि
शनि	व		वृश्चि	26:47:49	00:02:43	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	17:39:43	00:04:20	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	सम राशि
केतु	व		कन्या	17:39:43	00:04:20	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
हर्ष	व		धनु	02:42:53	00:01:22	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
नेप	व		धनु	14:13:18	00:00:37	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	---
प्लूटो	व		तुला	14:54:09	00:01:42	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	---
दशम भाव			कर्क	22:56:53	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:40:44

लग्न-चलित

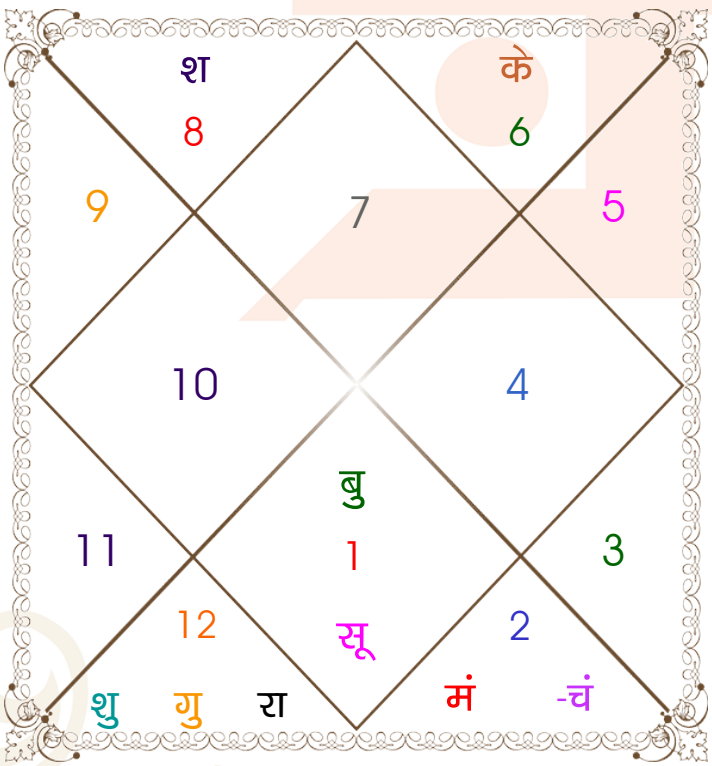

चन्द्र कुंडली

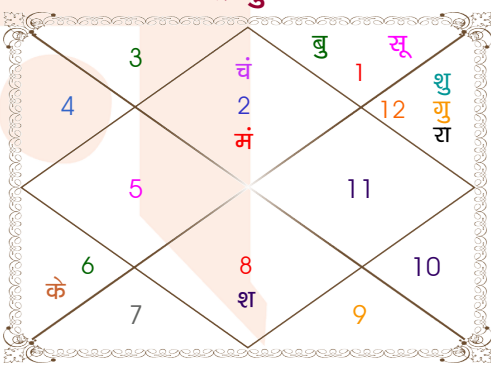

नवमांश कुंडली

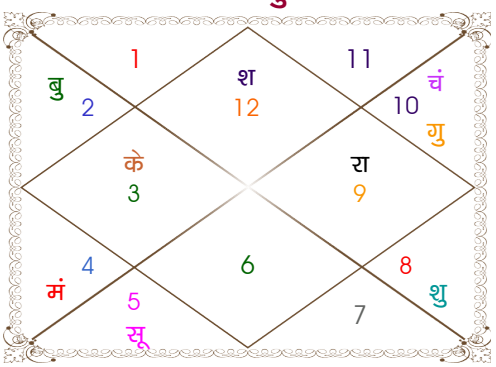

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 3 वर्ष 3 मास 17 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
29/04/1987		16/08/1990		15/08/2000		16/08/2007		16/08/2025	
16/08/1990		15/08/2000		16/08/2007		16/08/2025		16/08/2041	
	00/00/0000	चंद्र	16/06/1991	मंगल	12/01/2001	राहु	28/04/2010	गुरु	04/10/2027
	00/00/0000	मंगल	15/01/1992	राहु	30/01/2002	गुरु	21/09/2012	शनि	16/04/2030
	00/00/0000	राहु	16/07/1993	गुरु	06/01/2003	शनि	29/07/2015	बुध	22/07/2032
	29/04/1987	गुरु	15/11/1994	शनि	15/02/2004	बुध	14/02/2018	केतु	28/06/2033
गुरु	22/06/1987	शनि	16/06/1996	बुध	11/02/2005	केतु	05/03/2019	शुक्र	27/02/2036
शनि	03/06/1988	बुध	15/11/1997	केतु	10/07/2005	शुक्र	05/03/2022	सूर्य	15/12/2036
बुध	10/04/1989	केतु	16/06/1998	शुक्र	09/09/2006	सूर्य	27/01/2023	चंद्र	16/04/2038
केतु	16/08/1989	शुक्र	15/02/2000	सूर्य	15/01/2007	चंद्र	28/07/2024	मंगल	23/03/2039
शुक्र	16/08/1990	सूर्य	15/08/2000	चंद्र	16/08/2007	मंगल	16/08/2025	राहु	16/08/2041

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
16/08/2041		15/08/2060		16/08/2077		15/08/2084		16/08/2104	
15/08/2060		16/08/2077		15/08/2084		16/08/2104		00/00/0000	
शनि	18/08/2044	बुध	12/01/2063	केतु	12/01/2078	शुक्र	16/12/2087	सूर्य	04/12/2104
बुध	29/04/2047	केतु	09/01/2064	शुक्र	14/03/2079	सूर्य	15/12/2088	चंद्र	05/06/2105
केतु	06/06/2048	शुक्र	09/11/2066	सूर्य	20/07/2079	चंद्र	16/08/2090	मंगल	10/10/2105
शुक्र	07/08/2051	सूर्य	16/09/2067	चंद्र	18/02/2080	मंगल	16/10/2091	राहु	04/09/2106
सूर्य	19/07/2052	चंद्र	14/02/2069	मंगल	16/07/2080	राहु	16/10/2094	गुरु	30/04/2107
चंद्र	17/02/2054	मंगल	11/02/2070	राहु	03/08/2081	गुरु	16/06/2097		00/00/0000
मंगल	29/03/2055	राहु	31/08/2072	गुरु	10/07/2082	शनि	16/08/2100		00/00/0000
राहु	02/02/2058	गुरु	06/12/2074	शनि	19/08/2083	बुध	17/06/2103		00/00/0000
गुरु	15/08/2060	शनि	16/08/2077	बुध	15/08/2084	केतु	16/08/2104		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 3 वर्ष 3 मा 22 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुलालग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मीन नवमांश के साथ-साथ कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म लग्नोदयादिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप गपशप करने वाले होंगे। आपका जीवन आकर्षक परंतु आप दूसरों के साथ इर्ष्या रखने वाले होंगे।

आप अपनी आयु के 30 से 35 वें वर्ष के अंतराल में काफी धन संपति का अर्जन करेंगे तथा आपका जीवन आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। आपका रूप आकर्षित होगा आप अपने प्रताप से बहुत धन का व्यय करेंगे तथा अपना सांसारिक जीवन किस प्रकार बिताया जाए। इस बात का अन्वेषण करेंगे। आप अपने फिजूल खर्ची पर नियंत्रण करेंगे तो अनुकूल रहेंगे। अन्यथा आपकी वृद्धावस्था अति सुखद ही नहीं होगी अपितु वह अवस्था निरस भी हो जाएगी।

आप धार्मिक भावना के प्राणी होंगे। आप अनेक तीर्थ स्थलों का भ्रमण कर सत्यकार्यों में दान प्रदान करेंगे। यह संभाव्य है कि आपमें अनेक गुण विद्यमान होंगे तथा आप विश्वसनीयता पूर्वक व्यवहार करेंगे। आप भगवान की कृपा से उत्तम संतान के पिता होंगे। वे अपना नाम एवं अपनी प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे।

आपकी अपनी जीवन संगिनी के रूप में उपयुक्त एवं आदर्श पत्नी प्राप्ति हेतु मिथुन अथवा कुंभ राशि की जातक का चयन करना उत्तम होगा। परंतु यदि आपकी पत्नी कर्क, मकर अथवा मीन राशीय समुदाय की हुई तो वह आपकी आवश्यकता अथवा अनुरूपता के योग्य नहीं होंगी।

परंतु यदि आपकी संगिनी आपको श्रेय नहीं प्रदान करे तो आपको हतोत्साह होने की आवश्यकता नहीं है। आप किसी भी तरह से अपनी पत्नी से विद्वेष नहीं करेंगे।

वास्तव में आप बहुतायत में अपने घरेलू वातावरण को अनुकूल करने के लिए तथा सुव्यवस्थित करने के लिए आपकी पत्नी बेशकीमती आभूषण एवं बहुमूल्य वस्त्रादि से युक्त अपने परिवार के जीवन यापन को प्रमुखता देगी। आप अपने भवन को अपने मित्र एवं सगे संबंधियों की दृष्टि में आकर्षक बनाएंगे। इसके बिना आप अपने रहन सहन को दुष्कर अनुभव करेंगे।

तुला प्रभावित जातक सामान्यतः स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से उत्तम एवं उच्च स्तरीय आनंद से युक्त होता है। परंतु वह छुआछूत की बिमारी से वह अद्योगामी भी हो सकता है एवं आयुवृद्धि के कारण मूत्र संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु आपको इसके विरूद्ध सुरक्षात्मक कदम उठाने चाहिए।

आप हर दशा में धन एवं सुंदर सुखद भवन से युक्त होंगे। आप समयानुकूल अपने कार्य कलाप का संपादन करे निश्चित समय पर भोजनादि कर सकते हैं बशर्ते कि आप निम्नांकित निर्देशन का अनुपालन कर सकें।

आपके लिए अनुकूल एवं उत्तम रंग लाल, नारंगी एवं सफेद रंग है। इसके अतिरिक्त आपको पीला एवं हरा रंगों का त्याग करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 1, 2, 4 एवं 7 अंक अनुकूल है। इसके अतिरिक्त 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए हानिकारक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।